



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 20, 1975/पौष 30, 1896

No. 12] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 20, 1975/PAUSA 30, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 20th January 1975

SUBJECT.—*Import of Fruits, dried salted or preserved all sorts, NOS excluding Dates [S. No. 21(b)(ii)/IV], (ii) Dates [S. No. 21(b)/IV], (iii) Medicinal Herbs (Crude Drugs) [S. No. 87—109/IV], (iv) Asafotida [S. No. 31(b)/V] and other Miscellaneous items from Iran during November, 1974—October, 1975.*

No. 4-ITC(PN)/75.—Attention is invited to Paragraph 8 of the Ministry of Commerce Public Notice No. 172-ITC(PN)/74 dated the 12th November, 1974, which stipulates that import of Dates should be effected by sailing vessels or land route upto 60 per cent of the face value of the licences and the balance 40 per cent by other means, viz., Steamships, if the licencees so desire, at any time during the validity period of the licences.

2. It has now been decided that Paragraph 8 of the said Public Notice may be deemed to have been amended as follows:—

“Import licences granted in eligible cases will be valid for import from Iran either by sailing vessels or land route. In the case of Dry Fruits, import will be allowed by steamships upto the full face value of the licences and such imports will be on c.i.f. basis. In the case of Dates import may be effected by land route, sailing vessels or steamship of either country whichever is available earliest if the licencees so desire at any time during the validity period of the licences”

B. D. KUMAR.

Chief Controller of Imports and Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1975

विषय.—सूखे लवणित या परिरक्षित सभी किस्म के फलों जो अन्यथा विशिष्टिकृत नहीं, खजूरों [क्रम संख्या 21 (ए) (2)/4], को छोड़ कर (2) खजूरों [क्रम संख्या 21 (बी) /4], (3) ओवरीय बूटियों (अपरिष्कृत भेषजों) क्रम संख्या 87-109/4), (4) हींग [क्रम संख्या 31 (बी)/5] और अन्य विविध मर्चों का नवम्बर, 1974—अक्टूबर, 1975 के दौरान ईरान से आयात।

सं० 4 आई० डी० सी० (पी०एन०)/75.—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 172-आई टी सी (पी० एन)/74, दिनांक 12 नवम्बर, 1974 के पैरा 8 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जो यह अनुबन्धित करता है कि खजूरों का आयात लाइसेंसों के अंकित मूल्य के 60 प्रतिशत तक जलयानों द्वारा या थल मार्ग द्वारा होना चाहिए और शेष 40 प्रतिशत अन्य साधनों अर्थात् वाष्प-पोतों द्वारा लाइसेंसों की वैधता अवधि के दौरान किसी भी समय, यदि लाइसेंसधारी ऐसा चाहते हैं, किया जाना चाहिए।

2. अब यह निश्चय किया गया है कि उक्त सार्वजनिक सूचना का पैरा 8 निम्नलिखित अनुसार संशोधित किया गया समझा जाये :—

“अर्हक मामलों में ईरान से आयात के लिए प्रदान किए गए लाइसेंस या तो जलयानों द्वारा या थल मार्ग द्वारा आयात के लिए वैध होंगे। सूखे फलों के मामले में लाइसेंसों के पूर्ण अंकित मूल्य तक वाष्प-पोतों द्वारा आयात की अनुमति दी जाएगी और ऐसे आयात लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर होंगे। खजूरों के आयात के मामले में लाइसेंसों की वैधता अवधि के दौरान किसी भी समय थलमार्ग, किसी भी देश के जलयान, वाष्पपोत द्वारा जो भी सब से पहले उपलब्ध हो, यदि लाइसेंसधारी ऐसा चाहे तो आयात किए जा सकते हैं।”

बी० डी० कुमार,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।